बिहार पशु चिकित्सा संघ

कार्यालय – विद्यापति मार्ग, पटना– 800001

Email- bvapatna@gmail.com

डॉ0 राय चन्द्र पासवान
अध्यक्ष
मो0 9471867310

डॉ0 विनोद कुमार मुक्ता
प्रधान महासचिव
मो0 7488601083

पत्रांक– 86

दिनाक– 29.09.2020

महासचिव
डॉ0 दिलीप कुमार
मो0 9801881887
उपाध्यक्ष
डॉ0 ोभा कुमारी
मो0 7858012676
डॉ0 जितेन्द्र कुमार भोला
मो0 6203955586
डॉ0 सुधांशु कुमार
मो0 9939365429
डॉ0 अंजनी कु0 सिन्हा
मो0 9334164261
संगठन सचिव
डॉ0 अनिल कुमार निर्झर
मो0 8002460154
को ाध्यक्ष
डॉ0 जितेन्द्र प्रसाद
मो0 9431033631
वित्त सचिव
डॉ0 प्रमोदानंद लाल दास
मो0 9431472705
अंकेक्षक
डॉ0 विजय प्रसाद मंडल
मो0 9430947979
तकनीकी सचिव
डॉ0 सीमु
मो0 9471642606
प्रचार सचिव
डॉ0 अंशु कुमार
मो0 9572165500
क्षेत्रीय सचिव
डॉ0 सत्य नारायण यादव
मो0 9204908025
डॉ0 संजीत कुमार
मो0 7070521479
डॉ0 पंकज कुमार
मो0 8178451672
डॉ0 करूणा भारती
मो0 9905277744
डॉ0 साकेत कुमार
मो0 9471404196
डॉ0 राजशेखर
मो0 7979085551
डॉ0 निरंजन कुमार
मो0 9162394546
डॉ0 उपेंद्र कुमार चौधरी
मो0 7091974830

प्रेस रिलीज

बिहार पशु चिकित्सा संघ के द्वारा एक प्रेस वार्ता का अयोजन विद्यापति मार्ग, पटना में अयोजित किया गया। मिडिया को सम्बोधित करते हुए बिहार पशु चिकित्सा संघ के प्रधान महासचिव डॉ0 विनोद कुमार मुक्ता ने बताया कि पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की ओर से संचालित सभी योजनाओं यथा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के तहत पशुओं का ईयर टैगिंग कार्यक्रम, राष्ट्रव्यापी कृत्रिम बीजारोपण कार्यक्रम (NAIP-2), टीकाकरण, पशु चिक्त्सिा कार्य, बाढ़–सुखाड़ जैसी आपदा की स्थिति में चिकित्सा एवं राहत कार्यों का संचालन आदि का कार्य राज्य में पदस्थापित पशु चिकित्सकों के द्वारा पूरे मनोयोग एवं कर्मठता के साथ किये जाते हैं। राज्य सरकार के द्वारा सौंपे गए किसी भी कार्य में हम पशु चिकित्सकगण कभी कोताही नहीं बरतते हैं। पशुपालकों के हित में उनकी आर्थिक स्थिति एवं राज्य की आमदनी बढ़ाने में सरकार के कदम के साथ साथ हमलोग कदम मिलाकर चलते हैं।

डॉ0 मुक्ता ने यह भी बताया कि बोलने वाले प्राणियों अर्थात् मानवों की चिकित्सा करने वाले चिकित्सक एवं मूक प्राणियों अर्थात् पशुओं की चिकित्सा करने वाले पशु चिकित्सक के कार्य प्रणाली में बहुत बड़ा अन्तर है। हम पशु चिकित्सक कई तरह की परेशनियों को झेलते हुए पशुओं का ईलाज करते हैं एवं कभी कभी जोखिम भी उठाना पड़ता है। 28

इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर बिहार के माननीय एवं लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री नितिश कुमार जी के द्वारा पटना के ज्ञान भवन में दिनांक ~~27~~ जनवरी, 2019 को लाईवस्टॉक मास्टर प्लान का उदघाटन करते हुए पशु चिकित्सकों की प्रशंसा की गयी थी एवं उनके द्वारा कहा गया था कि यह धरती सिर्फ मानवों के लिये नहीं है। इसपर सभी प्रकार के जीव–जन्तु एवं वनस्पतियों का भी उतना ही अधिकार है। इसी परिपेक्ष्य में माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा घोषणा की गयी थी कि मानव के चिकित्सा करने वाले चिकित्सकों को सरकार की ओर से जो भी सुविधाएँ उपलब्ध करायी जा रही है, वो सारी सुविधाएँ पशुओं के ईलाज करने वाले पशु चिकत्सकों को भी उपलब्ध करायी जाए। माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा के आलोक में ही तत्क्षण दो दिनों के अन्दर संविदा पर कार्य करने वाले पशु चिकित्सकों का मानदेय संविदा पर काम करने वाले मानव चिकित्सकों के समतुल्य रु 65000/– (पैंसठ हजार रूपये) प्रतिमाह का भुगतान किया जाने लगा। इसके लिये हम पशु चिकित्सकों के द्वारा माननीय मुख्यमंत्रीजी का कोटी कोटी धन्यवाद किया गया था। परन्तु मानव चिकित्सकों को देय अन्य ससुविधाएँ यथा सेवानिवृति की उम्र बढ़ाने, डी0ए0सी0पी. का लाभ, पद सोपान आदि का लाभ आजतक हम पशु चिकित्सकों को नहीं दिया जा सका है एवं सृजित पदों की रिक्तियों को भी अभी तक भरा नहीं जा सका है जिसके फलस्वरूप एक पशु चिकित्सक कई पशुचिकित्सालयों के प्रभार में सेवा दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि माननीय मुख्यमंत्रीजी अपने द्वारा किये गए घोषणाओं को स्मरण नहीं कर पा रहे हैं।

इस आलोक में हम पशु चिकित्सकगण बिहार के कर्मठ, अग्रसोची एवं सबों को साथ लेकर चलने वाले पथप्रदर्शक माननीय मुख्यमंत्री को उनके द्वारा हम पशु चिकित्सकों के प्रति व्यक्त किये गए उद्‌गार एवं मानव चिकित्सकों की भांति सभी तरह की सुविधाएँ पशु चिकित्सकों को उपलब्ध कराने के उनके घोषणाओं को याद दिलाते हुए हम पुनः निवेदन करना चाहेंगे कि हम पशु चिकित्सकों के लम्बित मांगों को शीघ्रताशीघ्र पूरा करने का कष्ट करेंगे।

माननीय मुख्यमंत्रीजी के पशु चिकित्सकों के इन छोटी मांगों के पूरा कर देने से हम पशु चिकित्सकों का मनोबल बहुत ही उँचा हो जायेगा और हम राज्य के पशुपालकों को और भी बेहतर सेवा प्रदान कर सकेंगे।

विश्वासभाजन

BMukta

प्रधान महासचिव